लखनऊ में 50 हजार करोड़ निवेश की तैयारी

राजीव बाजपेयी • लखनऊ

- मंगलवार को होने वाले सम्मेलन के लिए 25 हजार करोड़ के प्रस्ताव मिले
- हाउसिंग सेक्टर में अब तक सबसे अधिक 13 हजार करोड़ के प्रस्ताव

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआइएस)-2023 से पहले ही लखनऊ में 50 हजार करोड़ से अधिक के निवेश का रोडमैप तैयार है। 10 जनवरी को होने वाले लखनऊ निवेशक सम्मेलन से पहले ही 25 हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव आ चुके हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि मंगलवार तक निर्धारित लक्ष्य से अधिक का निवेश लखनऊ में हो जाएगा। ध्यान रहे यह निवेश ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट से हटकर है।

उत्तर प्रदेश में 10 से 12 फरवरी के बीच ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हो रहा है। इससे पहले ही लखनऊ में स्थानीय उद्यमियों और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए निवेश सम्मेलन का आयोजन किया गया है। रविवार तक ही करीब पचीस हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव आ चुके हैं। देश के दूसरे मेट्रो सिटीज की तरह लखनऊ भी जिस तरह से इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उससे यहां पर हाउसिंग सेक्टर में निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। लखनऊ में हाउसिंग सेक्टर में अब तक 13 हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव आ चुके हैं। लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यम में अब तक 110 निवेश के प्रस्ताव प्रशासन को मिल चुके हैं। इन प्रस्तावों के द्वारा करीब तीन हजार करोड़ का निवेश होगा। एग्रीकल्चर और उसके सहयोगी उद्योगों में करीब पांच हजार करोड़ के निवेश के प्रस्ताव अभी से आ गए हैं। इसके अलावा स्थानीय उद्यमियों द्वारा करीब एक हजार करोड़ के प्रस्ताव मिल गए हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि जिस तरह से निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई है उससे 50 हजार करोड़ के लक्ष्य से अधिक के प्रस्ताव आएंगे।

निवेशकों से प्रशासन के वादे

- उद्यम लगाने के लिए प्रशासन जमीन दिलाने में मदद करेगा
- एससी की जमीन है तो अनुमति के लिए भागदौड़ की जरूरत नहीं
- संयुक्त खाते पर बंटवारे, पैमाइश और दाखिल खारिज में मदद
- एमओयू के साथ ही धारा 80 (कृषक से अकृषक) की एनओसी मिलेगी
- प्लाट के बीच सरकारी भूमि है तो समायोजन की सुविधा

निवेशक सम्मेलन के प्रति काफी उत्साह है। 50 हजार करोड़ से अधिक का लक्ष्य हासिल होगा। निवेशकों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके लिए एमओयू के साथ कई एनओसी दे दी जाएंगी। जमीन खरीदने से उत्पादन तक नोडल अफसर एनओसी दिलाने में मदद करेंगे। -सूर्यपाल गंगवार, जिलाधिकारी

उद्यमियों को साधने चेन्नई पहुंचे मंत्री सुरेश खन्ना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए वित्तमंत्री सुरेश खन्ना के नेतृत्व में मंत्रियों और अधिकारियों की टीम रविवार को चेन्नई पहुंची। निवेशकों के साथ प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा होगी। चेन्नई में डेढ़ सौ से अधिक उद्योगपतियों से मंत्रियों का समूह मुलाकात करेगा। जीआइएस-2023 को लेकर विदेश में हुए रोड शो के बाद पांच जनवरी से देश के नौ बड़े महानगरों में रोड शो की शुरुआत हो चुकी है।

मंत्री सुरेश खन्ना के साथ स्वतंत्र प्रभार मंत्री नितिन अग्रवाल, राज्य मंत्री असीम अरुण, मंत्री नरेंद्र कश्यप, डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर के चीफ नोडल आरकेएस भदौरिया, एसीएस एमएसएमई अमित मोहन प्रसाद समेत कई वरिष्ठ अधिकारी चेन्नई गए हैं। संबंधित खबर ›› 2